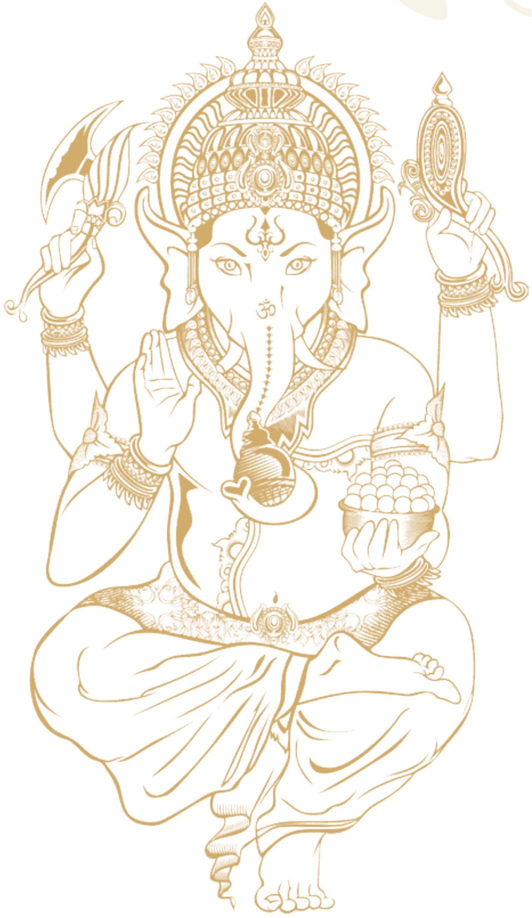

sachin

ladki

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121259001

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 10/01/1996 | जन्म तिथि | 16-17/09/2002 |
| बुधवार | दिन | सोम-मंगलवार |
| घंटे 09:15:00 | जन्म समय | 02:50:00 घंटे |
| घटी 04:40:14 | जन्म समय(घटी) | 51:46:47 घटी |
| India | देश | India |
| Bilaspur | स्थान | Bilaspur |
| 31:18:00 उत्तर | अक्षांश | 31:18:00 उत्तर |
| 76:48:00 पूर्व | रेखांश | 76:48:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:22:48 | स्थानिक संस्कार | -00:22:48 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:22:54 | सूर्योदय | 06:07:17 |
| 17:36:35 | सूर्यास्त | 18:27:42 |
| 23:48:13 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:53:26 |
| मकर | लग्न | कर्क |
| शनि | लग्न लग्नाधिपति | चन्द्र |
| सिंह | राशि | मकर |
| सूर्य | राशि-स्वामी | शनि |
| मघा | नक्षत्र | उत्तराषाढ़ा |
| केतु | नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| 4 | चरण | 4 |
| आयुष्मान | योग | अतिगण्ड |
| बालव | करण | विष्टि |
| मे-मेहर | जन्म नामाक्षर | जी-जीविका |
| मकर | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कन्या |
| क्षत्रिय | वर्ण | वैश्य |
| वनचर | वश्य | जलचर |
| मूषक | योनि | नकुल |
| राक्षस | गण | मनुष्य |
| अन्त्य | नाड़ी | अन्त्य |
| मूषक | वर्ग | सिंह |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 0वर्ष 5मा 25दि | | 26:39:09 | मक | लग्न | कर्क | 17:07:41 | सूर्य 1वर्ष 2मा 4दि | |
| चन्द्र | | 25:22:00 | धनु | सूर्य | सिंह | 29:56:27 | राहु | |
| 06/07/2022 | | 12:24:23 | सिंह | चंद्र | मक | 07:22:39 | 21/11/2020 | |
| 06/07/2032 | | 07:31:34 | मक | मंगल | सिंह | 17:44:22 | 21/11/2038 | |
| चन्द्र | 07/05/2023 | 11:21:36 | मक व | बुध व | कन्या | 19:07:19 | राहु | 04/08/2023 |
| मंगल | 06/12/2023 | 07:44:06 | धनु | गुरु | कर्क | 15:43:42 | गुरु | 28/12/2025 |
| राहु | 05/06/2025 | 00:03:06 | कुंभ | शुक्र | तुला | 12:37:10 | शनि | 03/11/2028 |
| गुरु | 05/10/2026 | 26:16:03 | कुंभ | शनि | मिथु | 04:38:25 | बुध | 23/05/2031 |
| शनि | 06/05/2028 | 27:56:08 | कन्या व | राहु व | वृष | 18:36:24 | केतु | 10/06/2032 |
| बुध | 05/10/2029 | 27:56:08 | मीन व | केतु व | वृश्चि | 18:36:24 | शुक्र | 10/06/2035 |
| केतु | 06/05/2030 | 06:04:17 | मक | हर्ष व | कुंभ | 01:54:43 | सूर्य | 04/05/2036 |
| शुक्र | 05/01/2032 | 01:13:04 | मक | नेप व | मक | 14:36:16 | चन्द्र | 03/11/2037 |
| सूर्य | 06/07/2032 | 08:26:05 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 21:08:11 | मंगल | 21/11/2038 |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

**23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:26**

## लग्न-चलित

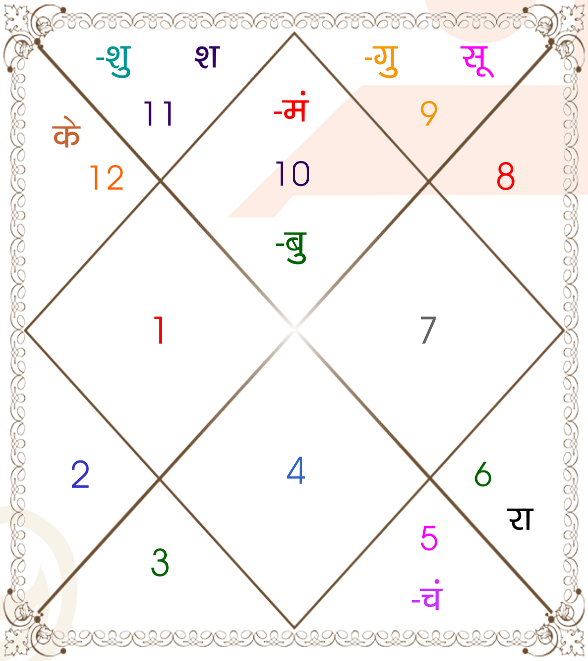


## लग्न-चलित

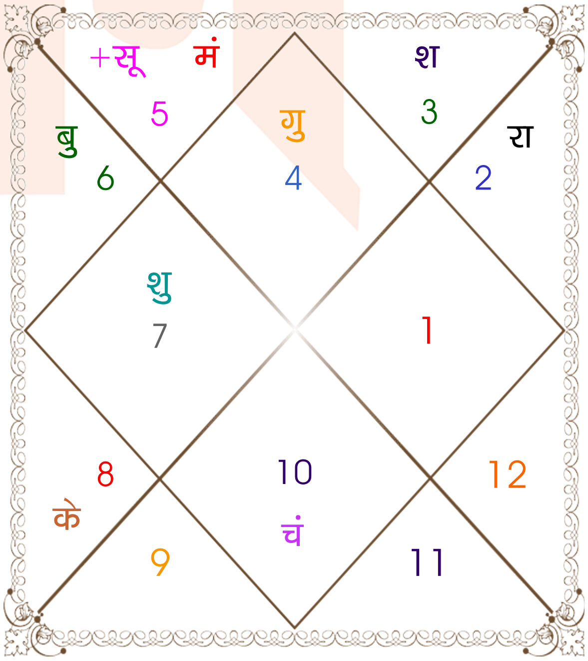

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | चतुष्पाद | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | नकुल | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शनि | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | मकर | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 3.50 | | |

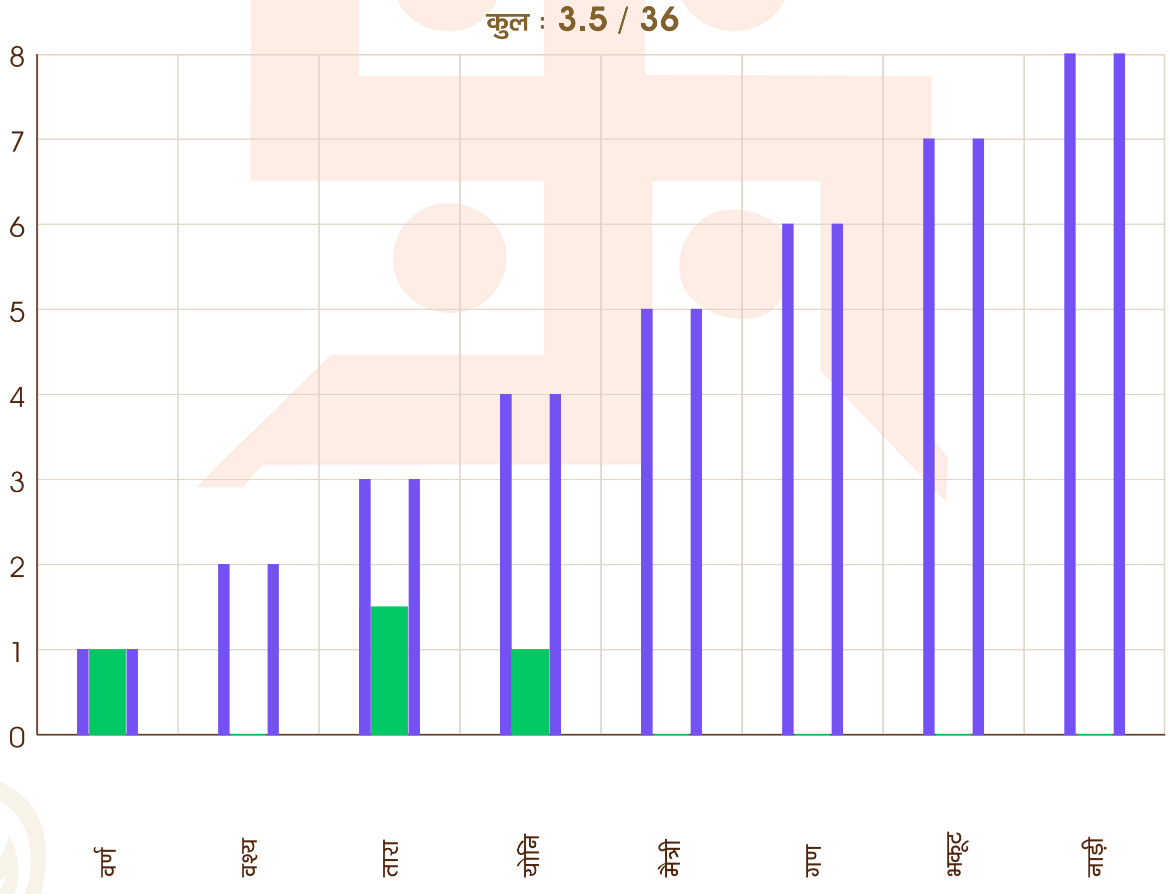

# अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

sachin का वर्ग मूषक है तथा ladki का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार sachin और ladki का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

sachin मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल sachin कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल sachin कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ladki मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ladki कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

sachin तथा ladki में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

sachin का वर्ण क्षत्रिय तथा ladki का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश ladki आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही ladki की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

## वश्य

sachin का वश्य वनचर है एवं ladki का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर sachin एवं चतुष्पद ladki का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। sachin निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह ladki को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है ladki को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

## तारा

sachin की तारा मित्र तथा ladki की तारा विपत है। ladki की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान sachin  एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि ladki का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

## योनि

sachin की योनि मूषक है तथा ladki की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में sachin एवं ladki दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण sachin एवं ladki के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी sachin दवं ladki को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

## गण

sachin का गण राक्षस है तथा ladki का गण मनुष्य है। अर्थात ladki का गण sachin के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

## भकूट

sachin से ladki की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा ladki से sachin की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण sachin लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। ladki को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

## नाड़ी

sachin की नाड़ी अन्त्य है तथा ladki की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। sachin एवं ladki की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश

संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

sachin की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा ladki की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। नैसर्गिक रूप से आग्नि एवं पृथ्वी तत्व में असमानता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण sachin और ladki के मध्य स्वाभाविक असमानता रहेगी जिससे परस्पर संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

sachin की राशि का स्वामी सूर्य तथा ladki की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से sachin और ladki के मध्य अनावश्यक विवाद, वैमनस्य तथा विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः संबधों में कटुता तथा तनाव का भाव रहेगा तथा पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि में भी न्यूनता रहेगी। साथ ही sachin के उग्र भाव से भी कभी कभी अप्रियस्थिति उत्पन्न हो सकती है।

sachin और ladki की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती हैं। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। जिसका वैवाहिक जीवन पर स्पष्ट दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से ये एक दूसरे की आलोचना तथा विरोध करने में अपना अधिकांश समय करेंगे तथा समय समय पर कलह के कारण अलगाव तक की स्थिति बन सकती है या sachin और ladki में से किसी एक को स्वास्थ्य संबधी परेशानी हो सकती है ।

sachin का वश्य वनचर तथा ladki का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में स्वाभाविक समानता के कारण sachin और ladki की अभिरूचियां समान रहेंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समता रहेगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

sachin का वर्ण क्षत्रिय तथा ladki का वर्ण वैश्य है। अतः sachin की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने में रहेगी तथा ladki धनार्जन में दक्ष रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

## धन

sachin और ladki दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

sachin और ladki अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव ladki पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी ladki को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए sachin को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से sachin और ladki का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ladki के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ladki को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

sachin और ladki बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः sachin और ladki का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

ladki के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही ladki सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में ladki को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि ladki धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति

प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से ladki के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही ladki ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

## ससुराल-श्री

sachin तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में sachin के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह sachin को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही sachin के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण sachin के प्रति अनुकूल ही रहेगा।